संख्या-453/2023/1790/22-2-2023-17(412)/2023

प्रेषक,

मदन मोहन,
विशेष सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 21 जुलाई, 2023

विषय:-आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी देवेश अग्निहोत्री पुत्र श्री चन्द्र प्रकाश अग्निहोत्री, निवासी जनपद-लखीमपुर खीरी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-12154/प्रोबेशन-3-फार्म-ए/(एम-16.03.2023), दिनांक-13.04.2023 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी देवेश अग्निहोत्री पुत्र श्री चन्द्र प्रकाश अग्निहोत्री, मोहम्मदी रोड कस्बा गोला, थाना-गोला, जनपद-लखीमपुर खीरी का निवासी है। दिनांक 19.11.2005 को बन्दी ने पेट्रोल पम्प सीज करने की रंजिश में अपने 07 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर राइफल, पिस्टल व रिवाल्वर से गोली मारकर इंडियन आयल कारपोरेशन के सेल्स आफिसर मंजू नाथ नामक व्यक्ति की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-292/06 में भा0द0वि0 की धारा-148, 302/149, 201, 120-बी में मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, लखीमपुर खीरी के आदेश दिनांक 26.03.2007 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया, जिसे मा0 उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के आदेश दिनांक 11.12.2009 एवं मा0 उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 11.03.2015 द्वारा उक्त सजा को यथावत् रखा गया है। बंदी द्वारा दिनांक 16.01.2023 तक 16 वर्ष 08 माह की अपरिहार सजा तथा 20 वर्ष 07 माह 18 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, लखीमपुर खीरी द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी द्वारा दिनांक 19.11.2005 को पेट्रोल पम्प सीज करने की रंजिश में अपने 07 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर राइफल, पिस्टल व रिवाल्वर से गोली मारकर इंडियन आयल कारपोरेशन के सेल्स आफिसर मंजू नाथ नामक व्यक्ति की हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी देवेश अग्निहोत्री पुत्र श्री चन्द्र प्रकाश अग्निहोत्री को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- अतः उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी देवेश अग्निहोत्री (बन्दी संख्या-17146) पुत्र श्री चन्द्र प्रकाश अग्निहोत्री, निवासी जनपद-लखीमपुर खीरी के फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट,1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
मदन मोहन
विशेष सचिव।

संख्या-453/2023/1790(1)/22-2-2023 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- श्री आदर्श उपाध्याय, एडवोकेट ऑन रिकार्ड, मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली।

2- जिला मजिस्ट्रेट, लखीमपुर खीरी।

3- वरिष्ठ अधीक्षक, आदर्श कारागार, लखनऊ।

4- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को रिट याचिका (क्रि0) संख्या-438/2022 देवेश अग्निहोत्री बनाम उ0प्र0 व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 21.04.2023 के सन्दर्भ में।

5- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।

6- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।

7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
अजय कुमार तिवारी
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

शासनादेश संख्या-453/2023/1790/22-2-2023-17(412)/2023

दिनांक 21 जुलाई, 2023 का संलग्नक

सरकार के आदेश

आदर्श कारागार, लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी देवेश अग्निहोत्री पुत्र श्री चन्द्र प्रकाश अग्निहोत्री, मोहम्मदी रोड कस्बा गोला, थाना-गोला, जनपद-लखीमपुर खीरी का निवासी है। दिनांक 19.11.2005 को बन्दी ने पेट्रोल पम्प सीज करने की रंजिश में अपने 07 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर राइफल, पिस्टल व रिवाल्वर से गोली मारकर इंडियन आयल कारपोरेशन के सेल्स आफिसर मंजू नाथ नामक व्यक्ति की हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-292/06 में भा0द0वि0 की धारा-148, 302/149, 201, 120-बी में मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, लखीमपुर खीरी के आदेश दिनांक 26.03.2007 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया, जिसे मा0 उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ के आदेश दिनांक 11.12.2009 एवं मा0 उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 11.03.2015 द्वारा उक्त सजा को यथावत् रखा गया है। बंदी द्वारा दिनांक 16.01.2023 तक 16 वर्ष 08 माह की अपरिहार सजा तथा 20 वर्ष 07 माह 18 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, लखीमपुर खीरी द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी द्वारा दिनांक 19.11.2005 को पेट्रोल पम्प सीज करने की रंजिश में अपने 07 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर राइफल, पिस्टल व रिवाल्वर से गोली मारकर इंडियन आयल कारपोरेशन के सेल्स आफिसर मंजू नाथ नामक व्यक्ति की हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी देवेश अग्निहोत्री पुत्र श्री चन्द्र प्रकाश अग्निहोत्री को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बंदी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

मदन मोहन

विशेष सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in